Patrika, 12th May 2022, Page – 14

आइआइएफएम के साथ किया एमओयू

पर्यावरण और ग्रामीण विकास के लिए काम करेगा आइआइटी

XPOSE रिपोर्टर
xpose.indore@epatrika.com

इंदौर. आइआइटी (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), इंदौर अब तकनीक व शोध के नए आयाम तलाशने के साथ पर्यावरण, ग्रामीण विकास व जलवायु परिवर्तन जैसे बिंदुओं पर भी काम करेगा। इसके लिए आइआइएफएम (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट) के साथ एमओयू साइन किया गया है। एमओयू पर आइआइटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. सुहास एस जोशी व आइआइएफएम के डायरेक्टर सुभाष चंद्र ने हस्ताक्षर किए।

इससे पहले आइआइटी इंदौर ने प्रदेश सरकार के साथ एक एमओयू किया है जिसमें राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों के 50 मेधावी छात्रों को बगैर शुल्क के एक महीने की इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। इसके अलावा, निःशुल्क आवास और शोध करने का खर्च भी आइआइटी इंदौर द्वारा वहन किया जाएगा। अब जो एमओयू आइआइएफएम के साथ किया गया है उसके तहत दोनों संस्थान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण, वन, स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण आजीविका और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप के उपयोग पर काम करेंगे। यह संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, प्रशिक्षण कायक्रमों, परामर्श कार्यों और ऐसी अन्य गतिविधियों के माध्यम से होगा। दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य, संयुक्त रूप से सामान्य क्षेत्रों में रिसर्च करेंगे।

आइआइटी इंदौर और आइआइएफएम के अधिकारियों की बैठक के दौरान सस्टेनेबिलिटी सेंटर, ईको-टूरिज्म और कृषि वानिकी पर एक साथ काम करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आइआइएफएम के प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ वन अधिकारियों के साथ, आइआइटी इंदौर के वन क्षेत्र का दौरा किया और वन क्षेत्र के विकास में आइआइटी इंदौर का मार्गदर्शन करने के लिए सहमत हुए। वन क्षेत्र में वनों की आग, नगर वन योजना, वाणिज्यिक पौधरोपण और जलाशयों के विकास पर भी चर्चा हुई।